

वीतकृत्यं प्रावः 7, 19, 3. 2. 30, 4. 6, 6, 3. 6. 18, 18. 22, 6. Vgl. धृषन्मनस्. — part. perf. pass. 1) धर्षितं *kühn, muthig, tapfer*: यो धर्षितो यो ऽवृत्तो यो अस्ति स्मश्रुयु श्रितः RV. 8, 33, 6. तं कृ त्यदेतो वज्रेण धर्षितो ज्ञयन् 83, 17. कर्षमाणो धर्षिताः 10, 84, 1. 138, 4. 38, 1. In der Stelle यः सोमं धर्षितापित्रत् VĀLAKH. 4, 3 ist धर्षिता adv. = धृषता oder es ist dieses letztere selbst zu vermuthen. — 2) धृष्ट *keck, frech* P. 6, 1, 206. 7, 2, 19. VOP. 26, 111. AK. 3, 1, 25. TRIG. 3, 1, 10. H. 432. MBH. 5, 1831. R. 3, 26, 12. BHART. 2, 48. ÇĀK. 88, 7. VARĀH. BRH. S. 101, 7. BHĀG. P. 5, 12, 7. SĀH. D. 70. 72. BHATT. 9, 18. उपराक्रम R. 3, 26, 12. धृष्टतम DAÇAK. in BENF. Chr. 198, 2. अघृष्ट PĀNĀT. III, 163. धृष्टत्व MBH. 1, 6406. धृष्टम् adv.: पा- दभ्यां धृष्टं प्रकृति ÇAT. Br. 14, 3, 4, 22. LĪTJ. 2, 6, 3. R. 5, 2, 34. धृष्टवा- दिन् HARIV. 4628. धृष्टमानिन् R. 2, 96, 43. धृष्ट am Ende eines comp. nach dem Zutadelnden GANARATN. zu P. 2, 1, 53. धृष्ट als Bez. eines be- stimmten über Waffen ausgesprochenen Zauberspruches R. 1, 30, 4. — धर्ष (धृष्), धर्षयति संकृते हिंसे VOP. in DHĀTUP. 17, 58. Statt कर्षूपरि- मलेनापि धर्ममाणोन्द्रियः PĀNĀT. 265, 8 ist wohl मलेनाकृत्यं zu lesen.

— caus. धर्षयति (प्रसक्तने DHĀTUP. 34, 43) 1) sich an Jmd oder Etwas wagen, Jmd Etwas anthun. sich an Jmd oder Etwas vergreifen, über Jmd kommen, Jmd bewältigen, bezwingen, Etwas verderben, zu Grunde richten: न चैवा तेजसा शक्या केन्द्रिधर्षयितुं पथि MBH. 3, 2346. अकृत्या धर्षिता (P. 1, 2, 19. 7, 2, 19. VOP. 26, 104) पूर्वम् — इन्नेण so v. a. durch Beischlaf geschändet (धर्षिता = असती ÇABDAR. im ÇKDR.; vgl. धर्ष- णा, धर्षित) 5, 373. 13, 5473 (MĀRK. P. 13, 10.) HARIV. 9929. 11008. fg. p. 790. R. 1, 49, 6. आर्जवेन नरं युक्तम् — अशक्तं मन्यमानास्तु धर्षयति कुबुद्धयः MBH. 5, 1508. 1, 208. 1677. fg. 6495. 6675. 7, 4296. 12, 4965. 13, 284. कस्ता धर्षयितुं शक्ता मम गाः HARIV. 3153. 9729. R. 1, 24, 18. 25, 11. 3, 31, 6. 73. 26. 6, 107. 13. PĀNĀT. 38, 12. 233, 24. BHĀG. P. 3, 20, 41. कृत्वा केन्द्रिधर्षयत् MBH. 5, 931. अर्धर्षित der sich nicht zu nahe kommen lässt R. 4, 13, 3. जरा वामचिरार्धर्षयिष्यति MBH. 1, 3434. आसनेभ्यः समुत्पे- तुस्तेजसा तस्य धर्षिताः 3, 2149. 2152. प्रसक्त धर्षितस्तत्र सोमो वै राज- यत्तमा HARIV. 1358. 8727. धर्षितस्तपसेप्रेण R. 1, 48, 29. सीतान्नेरुप्र- वृद्धेन तु त्रापेण धर्षितः 4, 3, 15. गुहागता मृगेन्द्राश्च वित्रेसुः शब्दधर्षि- ताः 13, 47. 5, 30, 14. BHĀG. P. 3, 23, 14. तद्रूपधर्षितः 31, 36. कर्षवेगेन ध- र्षितः 4, 9, 38. 5, 17, 20. 9, 18, 15. यत्र सौगन्धिकार्थे ऽसौ नालिनो तामध- र्षयत् MBH. 1, 433. गृहं तस्य न रत्नांसि धर्षयति कदा च न 13, 3299. न ब्रह्मरानसास्तं वै निवापं धर्षयत्यन 4383. 14, 2889. HARIV. 9234. 9393. तेन भावेन ते यज्ञं वासवो धर्षयिष्यति 11110. R. 3, 36, 21. PĀNĀT. III, 51. — 2) med. überbieten (?): यद्रूपयत्रो ब्रह्मोमर्कमस्मै सौत्रामण्या दधत्त देवाः AV. 3, 3, 2. — धर्ष (धृष्) v. l. für वर्ष (वृष्) शक्तिबन्धने DHĀTUP. 33, 30. — अयं bezwingen: तान्यात्मा नापधृष्टोति ÇĀK. Br. 17, 9. (पुरः) अय- पधृष्ट्यापाद्वन् AIT. Br. 2, 11.

— अग्निं überwältigen, bezwingen: न ब्रह्मः समशक्नोर्भारका अग्निं द- धृयुः AV. 1, 27, 3. तान्नायधृष्टुवन् KĀTH. 23, 6 in Ind. St. 4, 466. — caus. dass.: यावन्नो चरते मार्गान्पूतनामभिधर्षयन् MBH. 5, 4218. ततो देवाः क्रि- पात्रतो दानवान्-यधर्षयन् 14, 47. — Vgl. अभिधर्षणा, अभिधृष्टु.

— अयं s. अयवधर्षय, अयवधृष्ट, अयवधृष्ट.

— आ Jmd Etwas anhaben können: मा वो वृको मा वृकोरा दधर्षोति HV. 1, 183, 4. 4, 4, 3. न यत्परो नात्तरं आदधर्षत् 2, 41, 8. माया द्वयस्य न III. Theil.

किरा दधर्ष 5, 83, 6. 6, 7, 5. न यद्ग्राहसवो नू चिद्वित्तो वद्वथमादधर्षति 8, 27, 9. तृतीयमस्य नकिरा दधर्षति वर्षश्चन पुन्यस्तः पतत्रिणाः sich wagen an 1, 153, 5. infin. dat.: क्रत्वा तैर्हो मरुतो नाधर्षे शवः 5, 87, 2. 1, 39, 4. अस्य व्रतानि नाधर्षे 9, 53, 8. 1, 136, 1. 10, 49, 4. AV. 6, 33, 2. abl.: त्वं स- खा मुनेवः पास्याधर्षः schüttest vor Angriff RV. 2, 1, 9. — caus. Jmd zu nahe treten, beleidigen, reizen: स्मृत्याचारव्यपेतेन मार्गेणाधर्षितः पौरः । आवेदयति चेद्राज्ञे व्यवहारपदं हि तत् ॥ JĀG. 2, 5. MBH. 2, 2391. आधर्षिता यथा सिंहा गुरुभ्य इव निःसृताः HARIV. 10293. R. 3, 28, 1. — Vgl. अनाधर्ष fg.

— उद् caus. ermuthigen: पार्थमुद्धर्षयन्गिरा MBH. 5, 2357. 6, 2069. यो- धानुद्धर्षयामास 12, 3665. — Vgl. 1. उद्धर्ष, 1. उद्धर्षण.

— उप sich wagen an: एतत्कर्मापदधर्ष ÇAT. Br. 9, 3, 1.

— परि caus. wohl über Etwas herfallen MBH. 14, 1684.

— प्र sich an Jmd wagen, Jmd zu nahe treten, Jmd Etwas anthun, be- unruhigen, bewältigen: सो प्रधृष्य स ते कालः प्रातो ऽयम् R. 3, 62, 18. प्र- धृष्य मरुतां चमूम् 5, 38, 15. — caus. dass.: तमेवैतत्प्रधर्षयति तमेवैतत्प्र- धर्ष्यात्मन्धते KAUSH. ĀR. 1, 8. न च शत्रुं प्रपश्यामि युधि यो नः प्रधर्षयेत् MBH. 1, 1422. 7, 8220. 8, 1990. 2179. विभोति हि यथा शक्रो ब्रह्माचारिप्र- धर्षेतः 13, 3661. HARIV. 4666. R. 1, 23, 9 (GORN. 24, 10.) 27, 9. प्रधर्षय- त्यस्मान्नानसाः 3, 14, 12. 6, 88, 1. MĀRK. P. 21, 4. वायुवृषेण वा शक्रो गु- रूपत्वां प्रधर्षयेत् so v. a. durch Beischlaf schänden MBH. 13, 2291. 5473 (MĀRK. P. 13, 12.) 3, 2397. R. 1, 34, 27. 2, 29, 6. न त्वो क्रोधः प्रधर्षयेत् MBH. 13, 2890. विषयैश्च प्रधर्षितः R. 2, 21, 3. तस्य वर्चसा प्रधर्षिताः BHĀG. P. 3, 17, 25. Etwas verderben, verüben: येनायं रानसावासस्त्वयै- केन प्रधर्षितः R. 5, 33, 22. वने प्रधृष्टपूर्वम् (तया) 63, 5. — Vgl. प्रधर्षक fg., प्रधृष्ट.

— संप्र caus. sich an Jmd wagen, Jmd Etwas anthun MBH. 12, 4993. 5031.

— प्राति aushalten, widerstehen: कस्तं इन्द्रं प्राति वर्धं दधर्ष RV. 8, 83, 9. तिग्मा अयं कृन्वेत् न प्रतिधृषे (infin.) 49, 13. KĀTH. 10, 5. — Vgl. अ- प्रतिधृष्टवस्, अप्रतिधृष्ट.

— वि caus. sich an Jmd wagen, Jmd Etwas anthun, beunruhigen: उयसेनस्य वृषेण मातरं ते व्यधर्षयत् so v. a. durch Beischlaf schänden HARIV. 4616. कृतान्तवश्यानि यदा मुत्तानि दुःखानि वा यत्र विधर्षयति MBH. 12, 10541. Etwas verderben: रजोसि मुकुटान्येषामुत्थितानि व्यधर्ष- यन् 1, 1421.

— सम् caus. dass.: एवं संधर्षिता साधी कथं जीवितुमुत्सक्ते so v. a. durch Beischlaf geschändet HARIV. 9937.

धर्ष m. nom. act. von धर्षः s. दुर्धर्ष. Keckheit, Frechheit: पय्येष दर्पा- द्वर्षाद्वाप्यथ ब्राह्मणाचापलात् । प्रास्थिता धनुरायत्तुम् MBH. 1, 7040. — Eunuch ÇABDĀNTHAK. bei WILS.; vgl. धर्षवर.

धर्षक (wie eben) 1) adj. über Etwas herfallend, einen Angriff machend auf: सर्वे गृह्यन्ता ममैते गृहधर्षकाः HARIV. 8844. — 2) m. Schauspieler (nach WILS. wegen seiner Keckheit so benannt) ÇABDAR. im ÇKDR.

धर्षणा (wie eben) 1) adj. Andern zu nahe tretend, beleidigend. misshandeln: अ० von Çiva MBH. 13, 1165. — 2) n. ein Angriff auf Per- sonen oder Sachen, Beleidigung, Misshandlung; = अभिभव, परिभव H. an. 3, 210 (lies धर्षया st. धर्षणा). MED. p. 53. MBH. 1, 6502. 7761. 4, 738. 13, 1659. DRAUP. 6, 28. देवानाम् R. 6, 38, 21. PĀNĀT. 41, 14. तथेदमुपपन्नं